चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 03 सितंबर 2026, अंक –349.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

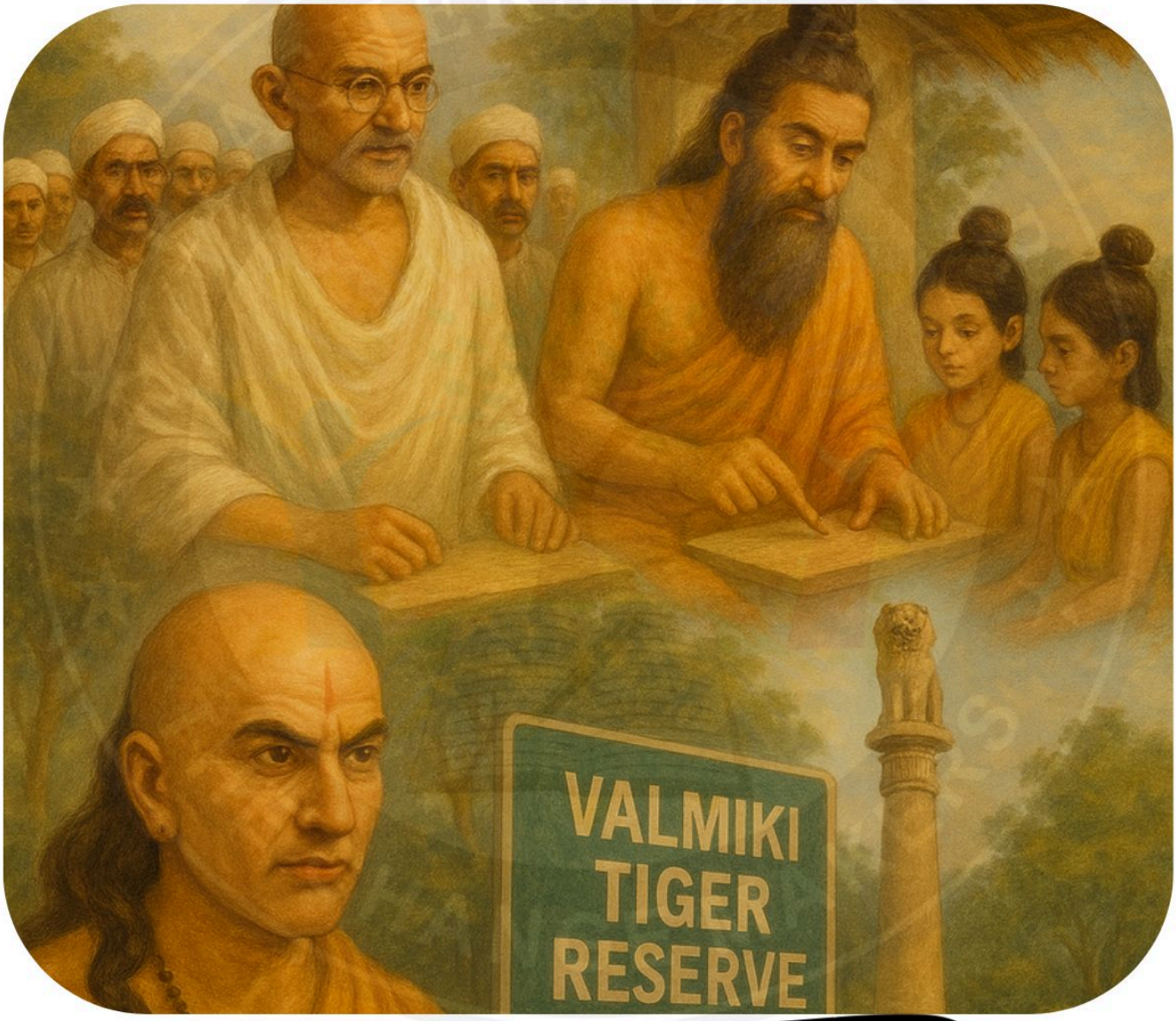

"अनुभव वह कंघी है जो प्रकृति हमें तब देती है जब हमारे बाल गिर जाते हैं।"

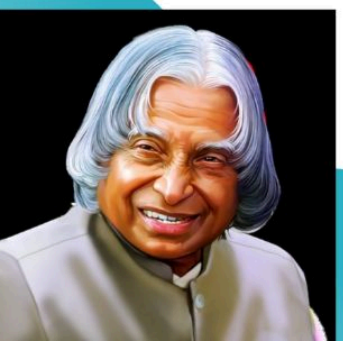

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूंगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अंश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. पोलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: वारसॉ
प्रश्न 2. भारत में पहली बार लोकसभा का गठन किस वर्ष हुआ था?
उत्तर: 1952
प्रश्न 3. 'सत्त्रिया' किस राज्य की प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य-शैली है?
उत्तर: असम
प्रश्न 4. एक घनाभ (Cuboid) के कितने फलक होते हैं?
उत्तर: 6
प्रश्न 5. बिहार का 'अगम कुआँ' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. कौन-सा पक्षी अपना घोंसला काँटेदार पेड़ की पत्तियों को सिलकर बनाता है?
उत्तर: दर्जिन पक्षी
प्रश्न 7. सिलाई मशीन के प्रारंभिक व्यावहारिक आविष्कार से किसका नाम जुड़ा है?
उत्तर: बार्थेलेमी थिमोनियर
प्रश्न 8. लोकसभा के सदस्यों का चुनाव किस प्रकार होता है?
उत्तर: प्रत्यक्ष चुनाव
प्रश्न 9. 'जो कम खर्च करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: मितव्ययी
प्रश्न 10. जिस पदार्थ को पानी में डालने पर वह पानी में घुल जाता है, उसे क्या कहते हैं ?
उत्तर: विलेय

संकलन:-

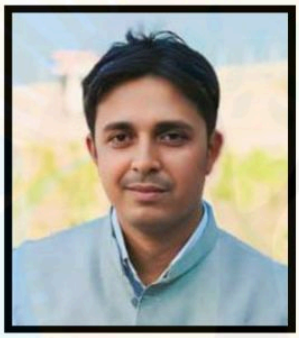

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Desert – (डेज़र्ट) – मरुस्थल
Island – (आइलैंड) – द्वीप
Coast – (कोस्ट) – तट
Beach – (बीच) – समुद्र तट
Cave – (केव) – गुफा
Glacier – (ग्लेशियर) – हिमनद
Volcano – (वॉल्केनो) – ज्वालामुखी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "क्या तुम ... करने वाले हो?" (Are you going to ...?)

क्या तुम कल पढ़ने वाले हो? – Are you going to study tomorrow?
क्या तुम खाना खाने वाले हो? – Are you going to eat food?
क्या तुम बाजार जाने वाले हो? – Are you going to the market?
क्या तुम अपना होमवर्क करने वाले हो? – Are you going to do your homework?
क्या तुम अंग्रेज़ी सीखने वाले हो? – Are you going to learn English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 3 सितंबर को आधुनिक गगनचुंबी इमारतों के जनक माने जाने वाले वास्तुकार लुइस सुलिवन की जयंती के सम्मान में विश्व स्तर पर कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: गगनचुंबी इमारत दिवस (National Skyscraper Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 3 सितंबर को 'गगनचुंबी इमारत दिवस' (National Skyscraper Day) मनाया जाता है। यह दिन आधुनिक बहुमंजिला इमारतों और गगनचुंबी वास्तुकला के जनक माने जाने वाले अमेरिकी वास्तुकार लुइस सुलिवन (जन्म: 3 सितंबर 1856) के जन्मदिन की स्मृति में समर्पित है। सुलिवन ने 'फॉर्म फॉलोस फंक्शन' (रूप कार्य का अनुसरण करता है) का विख्यात सिद्धांत दिया था। यह दिवस आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग की उत्कृष्ट उपलब्धियों, शहरी नियोजन में ऊर्ध्वाधर विस्तार, संरचनात्मक सुरक्षा और इन विशाल इमारतों के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों व वास्तुकारों के श्रम का सम्मान करता है।
संदर्भ: National Skyscraper Day Observance Portal; Architectural Record Archives;

प्र.2. सितंबर 2026 में इसरो (ISRO) के किस महत्वाकांक्षी सौर वेधशाला मिशन ने लैग्रेंज बिंदु-1 (L1) से सौर कोरोना के उच्च-रिज़ॉल्यूशन मैग्नेटिक डेटा और सौर तूफानों की प्रारंभिक चेतावनी बुलेटिन जारी किए? (समसामयिक घटना)
उत्तर: आदित्य-एल1 मिशन (Aditya-L1)
व्याख्या: सितंबर 2026 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के पहले सौर मिशन 'आदित्य-एल1' ने पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर हेलो ऑर्बिट (Halo Orbit) में स्थित लैग्रेंज बिंदु-1 (L1) से सौर ज्वालाओं (Solar Flares) और कोरोनल मास इजेक्शन (CME) की वास्तविक समय की निगरानी रिपोर्ट जारी की। इसके प्रमुख पेलोड 'VELC' (विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ) और 'SUIT' (सोलर अल्ट्रावायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप) ने सूर्य के वायुमंडल की गतिशीलता का सटीक डेटा प्रदान किया। यह डेटा उपग्रह संचार, नेविगेशन प्रणालियों और पृथ्वी के विद्युत ग्रिडों को सौर तूफानों से सुरक्षित रखने में वैश्विक अंतरिक्ष मौसम पूर्वानुमान के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ है।
संदर्भ: ISRO Aditya-L1 Science Data Release September 2026;

प्र.3. छायावादी युग के प्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित वह कौन-सा अमर दार्शनिक महाकाव्य है, जो मनु, श्रद्धा और इड़ा के प्रतीकों के माध्यम से हृदय और बुद्धि के संतुलन का संदेश देता है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: कामायनी (1936)
व्याख्या: 'कामायनी' (1936) छायावादी काव्य परंपरा का चरमोत्कर्ष और महाकवि जयशंकर प्रसाद की अंतिम अमर कृति है। यह 15 सर्गों (चिंता से प्रारंभ होकर आनंद तक) में विभाजित एक दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक महाकाव्य है। इसमें जल-प्रलय के उपरांत मानव संस्कृति के पुनर्निर्माण की कथा कही गई है। इसमें 'मनु' मन के, 'श्रद्धा' हृदय व समर्पण की तथा 'इड़ा' विशुद्ध तर्क और बुद्धि की प्रतीक हैं। कवि ने प्रतिपादित किया है कि केवल बुद्धि या विज्ञान पर आधारित भौतिक उन्नति विनाश लाती है; जब बुद्धि और हृदय (ज्ञान और भावना) में सामंजस्य स्थापित होता है, तभी मनुष्य अखंड आनंद की प्राप्ति कर सकता है।
संदर्भ: जयशंकर प्रसाद — 'कामायनी', भारती भंडार/लोकभारती प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2,

प्र.4. वायुमंडल में सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x) के उत्सर्जन के कारण होने वाली वर्षा को क्या कहते हैं, जिससे संगमरमर का संक्षारण (मार्बल कैंसर) होता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: अम्लीय वर्षा (Acid Rain)
व्याख्या: ताप विद्युत संयंत्रों, तेल रिफाइनरियों और स्वचालित वाहनों द्वारा वायुमंडल में उत्सर्जित सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) और नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x) वायु में उपस्थित जलवाष्प और ऑक्सीजन के साथ रासायनिक क्रिया करके सल्फ्यूरिक अम्ल (H_2SO_4) और नाइट्रिक अम्ल (HNO_3) का निर्माण करते हैं। जब यह अम्ल वर्षा जल के साथ धरती पर गिरता है और वर्षा जल का pH मान 5.6 से कम हो जाता है, तो इसे 'अम्लीय वर्षा' कहते हैं। यह जलीय जीवों, वनों, उपजाऊ मिट्टी तथा ऐतिहासिक इमारतों को गंभीर नुकसान पहुँचाती है। इसका प्रमुख उदाहरण आगरा के ताजमहल के संगमरमर का पीला पड़ना और क्षरण (मार्बल कैंसर) है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 2 "अम्ल, क्षारक एवं लवण", p. 28–30;

प्र.5. 23 जून 1757 को बंगाल के नदिया जिले में भागीरथी नदी के तट पर लड़े गए किस निर्णायक युद्ध में रॉबर्ट क्लाइव के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना ने नवाब सिराजुद्दौला को परास्त किया था? (इतिहास)
उत्तर: प्लासी का युद्ध (Battle of Plassey)
व्याख्या: 23 जून 1757 को लड़ा गया प्लासी का युद्ध भारतीय इतिहास का युगांतरकारी मोड़ माना जाता है। बंगाल के युवा नवाब सिराजुद्दौला के प्रधान सेनापति मीर जाफर ने गुप्त रूप से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के सेनापति रॉबर्ट क्लाइव से सांठगांठ कर ली थी। मीर जाफर के विश्वासघात और सैन्य टुकड़ी के युद्ध में निष्क्रिय रहने के कारण नवाब की सेना पराजित हो गई और सिराजुद्दौला की हत्या कर दी गई। अंग्रेजों ने मीर जाफर को कठपुतली नवाब बनाया और बंगाल के 24 परगना की जमींदारी तथा विशाल धनराशि प्राप्त की। इस युद्ध ने भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के राजनीतिक और आर्थिक प्रभुत्व की पहली मजबूत नींव रखी।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 2 "व्यापार से साम्राज्य तक: कंपनी की सत्ता स्थापित होती है", p. 12–16;

प्र.6. उत्तर-पश्चिम भारत में गुजरात से लेकर दिल्ली तक लगभग 692 किलोमीटर में विस्तृत विश्व की सबसे प्राचीन वलित पर्वत श्रृंखला (Fold Mountain) कौन-सी है? (भूगोल)
उत्तर: अरावली पर्वतमाला (सर्वोच्च शिखर: गुरु शिखर)
व्याख्या: अरावली पर्वतमाला भारत ही नहीं, बल्कि विश्व की सबसे प्राचीन वलित पर्वत प्रणालियों में से एक है, जिसका निर्माण प्री-कैम्ब्रियन काल (लगभग 570 मिलियन वर्ष पूर्व) में हुआ था। यह गुजरात के पालनपुर से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली (रायसीना हिल्स) तक दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा में लगभग 692 किमी लंबाई में फैली है। लाखों वर्षों के प्राकृतिक अपरदन के कारण यह वर्तमान में एक अवशिष्ट पर्वत (Residual Mountain) के रूप में विद्यमान है। इसका सर्वोच्च शिखर राजस्थान के सिरोही जिले में माउंट आबू पर स्थित 'गुरु शिखर' (1,722 मीटर) है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल के पूर्व की ओर प्रसार को रोकने में प्राकृतिक अवरोधक का कार्य करती है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 11–

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा मौलिक अधिकार अनुच्छेद देश में 'अस्पृश्यता' (Untouchability) के किसी भी रूप में आचरण को पूर्णतः निषिद्ध और दंडनीय अपराध घोषित करता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 17 (अस्पृश्यता का उन्मूलन)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-III में समानता के अधिकार के अंतर्गत 'अनुच्छेद 17' अस्पृश्यता के उन्मूलन का प्रावधान करता है। यह घोषित करता है कि "अस्पृश्यता का अंत किया जाता है और उसका किसी भी रूप में आचरण निषिद्ध है। अस्पृश्यता से उपजी किसी भी अयोग्यता को लागू करना विधि के अनुसार दंडनीय अपराध होगा।" इस संवैधानिक आदेश को प्रभावी बनाने के लिए भारतीय संसद ने 'अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम, 1955' पारित किया, जिसे 1976 में संशोधित कर 'नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955' नाम दिया गया। यह अधिकार राज्य के साथ-साथ निजी व्यक्तियों के विरुद्ध भी पूर्ण रूप से लागू होता है।
संदर्भ: Constitution of India, Part III, Article 17; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights, p. 32–34;

प्र.8. मानव मस्तिष्क के आधार पर स्थित वह कौन-सी अंतःस्रावी ग्रंथि है, जिसे शरीर की अन्य अधिकांश अंतःस्रावी ग्रंथियों के हार्मोन स्राव को नियंत्रित करने के कारण 'मास्टर ग्रंथि' कहा जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: पीयूष ग्रंथि (पिट्यूटरी ग्लैंड / Master Gland)
व्याख्या: पीयूष ग्रंथि (Pituitary Gland) मानव मस्तिष्क के आधार पर स्फेनॉइड हड्डी के एक गर्त (सेला टर्सिका) में स्थित मटर के दाने के आकार की ग्रंथि है। इसे 'मास्टर ग्रंथि' कहा जाता है क्योंकि यह कई महत्वपूर्ण ट्रॉपिक हार्मोन स्रावित करती है जो शरीर की अन्य अंतःस्रावी ग्रंथियों (जैसे थायरॉयड, एड्रिनल और जनन ग्रंथियों) की गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं। यह 'वृद्धि हार्मोन' (GH/STH) का स्राव करती है, जिसकी कमी से बौनापन (Dwarfism) और अधिकता से महाकायता (Gigantism) रोग हो जाता है। स्वयं पीयूष ग्रंथि हाइपोथैलेमस द्वारा मुक्त किए जाने वाले हार्मोनों के फीडबैक तंत्र द्वारा नियंत्रित होती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 7 "नियंत्रण एवं समन्वय", p. 132–136;

प्र.9. 'कथा कहे सो कत्थक कहलाए' की परंपरा से उपजा, पैरों के द्रुत संचालन और चक्करदार चक्रों के लिए प्रसिद्ध उत्तर भारत का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कत्थक नृत्य (Kathak)
व्याख्या: कत्थक उत्तर भारत (मुख्यतः उत्तर प्रदेश) का एकमात्र प्रमुख शास्त्रीय नृत्य है। इसकी उत्पत्ति प्राचीन काल में मंदिरों में पौराणिक कथाएं, महाभारत और रामायण के प्रसंग सुनाने वाले 'कथाकारों' (कथावाचकों) की परंपरा से हुई। मध्यकाल में यह भक्ति आंदोलन से जुड़कर राधा-कृष्ण की रासलीलाओं का माध्यम बना और आगे चलकर मुगल व अवध के नवाबों के दरबार में इसे संरक्षण मिला। इसके प्रमुख घराने लखनऊ, जयपुर और बनारस हैं। अवध के अंतिम नवाब वाजिद अली शाह के काल में इसका स्वर्ण युग रहा। इसमें पद-संचालन (तत्कार), घुंघरुओं की झंकार, तिहाई, तोड़े-टुकड़े और तीव्र चक्कर इसकी अनूठी पहचान हैं। पंडित लच्छू महाराज और पंडित बिरजू महाराज इसके अप्रतिम साधक रहे हैं।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 8; NCERT History Class 7

प्र.10. बिहार के सासाराम (रोहतास जिला) में एक विशाल कृत्रिम वर्गाकार झील के मध्य 1545 ईस्वी में निर्मित लाल बलुआ पत्थर का भव्य अष्टकोणीय मकबरा किस महान शासक का है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: शेरशाह सूरी (मकबरा: सासाराम)
व्याख्या: बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में स्थित शेरशाह सूरी का मकबरा भारत में इंडो-इस्लामिक स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट और अद्वितीय स्मारक है। इसका निर्माण कार्य महान अफगान सम्राट शेरशाह सूरी के जीवनकाल में आरंभ हुआ था और 1545 ईस्वी में कलिंजर विजय के दौरान बारूद विस्फोट में उनकी मृत्यु के तीन महीने बाद उनके पुत्र इस्लाम शाह ने इसे पूर्ण कराया। वास्तुकार मीर मुहम्मद अलीवाल खान द्वारा डिज़ाइन किया गया यह मकबरा एक विशाल कृत्रिम झील के बीचो-बीच एक ऊंचे चबूतरे पर खड़ा है। इसकी अष्टकोणीय (Octagonal) योजना, विशाल गुंबद, छतरियां और मेहराबें तुगलक और प्रारंभिक मुगल वास्तुकला के मध्य एक पुल का निर्माण करती हैं।
संदर्भ: Archaeological Survey of India (ASI) Patna Circle;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (सुरक्षित शनिवार: अगस्त W4 — नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अनजाने में गहरे पानी में गिर जाए और उसे तैरना न आता हो, तो डूबने से बचने हेतु 'अस्तित्व तैराकी' (जल पर पीठ के बल लेटने / Survival Floating) की क्या सही तकनीक है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: शांत रहें, फेफड़ों में हवा भरें, पीठ के बल लेटकर तैरें (Back Floating)

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' प्रशिक्षण मॉड्यूल और एनडीआरएफ (NDRF) के जल-सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार, गहरे पानी में गिरने पर घबराहट और हाथ-पैर पटकने से ऊर्जा तेजी से नष्ट होती है और पानी फेफड़ों में भर जाता है। इसके विपरीत 'सर्वाइवल फ्लोटिंग' (पीठ के बल तैरना) तकनीक अपनानी चाहिए: (1) पूर्णतः शांत रहें और घबराकर हाथ-पैर न चलाएं; (2) सिर को पीछे की ओर झुकाकर कान पानी में डुबोए रखें और ठुड्डी को आकाश की ओर सीधा रखें; (3) फेफड़ों में पूरी हवा भरकर रखें क्योंकि हवा भरे फेफड़े प्राकृतिक 'लाइफ जैकेट' की तरह शरीर को पानी की सतह पर तैराए रखते हैं; (4) हाथों और पैरों को पानी के भीतर फैलाकर हल्के-हल्के हिलाते हुए केवल अपनी नाक और मुंह को पानी से बाहर रखकर सांस लें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module August W4 — "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव"; National Disaster Response Force (NDRF) Aquatic Safety Standard SOP

प्र.12. 150 मीटर लंबी एक रेलगाड़ी 54 किमी/घंटा की एकसमान चाल से सीधी पटरी पर दौड़ रही है। पटरी के किनारे खड़े एक टेलीग्राफ खंभे को पूरी तरह पार करने में उस रेलगाड़ी को कितना समय लगेगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 10 सेकंड

व्याख्या: यह 'चाल, समय और दूरी' पर आधारित मानक गणितीय प्रश्न है। जब कोई रेलगाड़ी किसी खंभे या खड़े व्यक्ति को पार करती है, तो उसके द्वारा तय की गई दूरी स्वयं रेलगाड़ी की लंबाई के बराबर होती है। यहाँ दूरी = 150 मीटर। रेलगाड़ी की चाल = 54 किमी/घंटा। चाल को मीटर/सेकंड में बदलने के लिए 5/18 से गुणा करते हैं: चाल = 54 * (5/18) = 3 * 5 = 15 मीटर/सेकंड। समय ज्ञात करने का सूत्र है: समय = दूरी / चाल। मान रखने पर: समय = 150 / 15 = 10 सेकंड। अतः रेलगाड़ी उस खंभे को ठीक 10 सेकंड में पार कर लेगी।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 "प्रत्यक्ष और प्रतिलोम समानुपात", p. 208–214;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

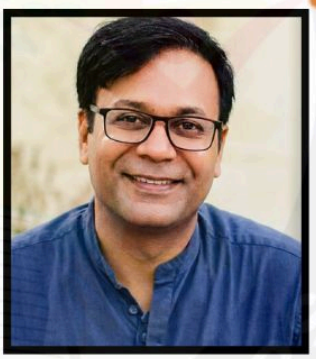

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Maverick (मैवरिक) = Unconventional (अनकनवेंशनल) = परंपरा से हटकर चलने वाला / स्वतंत्र विचारों वाला
   Antonym – Conventional (कनवेंशनल) = परंपरागत / रूढ़िवादी
2. Nefarious (निफेरियस) = Wicked (विकिड) = दुष्ट / घोर पापपूर्ण / नीच
   Antonym – Virtuous (वर्चुअस) = सदाचारी / गुणी
3. Obdurate (ऑब्ड्यूरेट) = Stubborn (स्टबर्न) = हठी / जिद्दी / कठोर हृदय वाला
   Antonym – Yielding (यील्डिंग) = झुकने वाला / आसानी से मान जाने वाला
4. Sagacious (सगेसियस) = Wise (वाइज) = बुद्धिमान / विवेकशील / दूरदर्शी
   Antonym – Foolish (फूलिश) = मूर्ख / अविवेकी
5. Taciturn (टैसिटर्न) = Reserved (रिज़र्व्ड) = कम बोलने वाला / मितभाषी
   Antonym – Talkative (टॉकटिव) = बातूनी / अधिक बोलने वाला

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National High-Performance Microprocessor Architecture' for Sovereign Cloud and AI Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने संप्रभु क्लाउड और एआई बुनियादी ढांचे के लिए 'राष्ट्रीय उच्च-प्रदर्शन माइक्रोप्रोसेसर आर्किटेक्चर' का अनावरण किया।
डिजिटल इंडिया आरआईएससी-वी (DIR-V) कार्यक्रम के तहत केंद्र सरकार ने रणनीतिक सर्वर, राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन और रक्षा डेटा केंद्रों के लिए स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए उन्नत 64-बिट प्रोसेसर के उत्पादन चरण को अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना में आयातित हार्डवेयर पर निर्भरता समाप्त करना और चिप सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना है।

English Headline: NITI Aayog Releases 'State Green Energy Grid Modernization and Distributed Storage Index 2026'.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राज्य हरित ऊर्जा ग्रिड आधुनिकीकरण एवं विकेंद्रीकृत भंडारण सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के ग्रिड एकीकरण, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) के तेजी से परिनियोजन और ट्रांसमिशन हानियों को कम करने के मामले में तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान शीर्ष स्थान पर रहे हैं। यह रिपोर्ट 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के राष्ट्रीय रोडमैप का व्यापक विश्लेषण करती है।

English Headline: ISRO Completes Structural Pressure and Acoustic Flight Qualification Tests for Next-Generation Heavy Cryogenic Stage.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने अगली पीढ़ी के भारी क्रायोजेनिक चरण के लिए संरचनात्मक दबाव और ध्वनिक उड़ान योग्यता परीक्षण पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (IPRC) में आगामी भारी-लिफ्ट प्रक्षेपण वाहनों (NGLV) के उन्नत क्रायोजेनिक स्टेज का सफल परीक्षण किया। यह विकास आगामी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) के प्रक्षेपण और गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए पेलोड वहन क्षमता को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेगा।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Milestone Treaty on 'Global Norms for Responsible Governance of Autonomous Robotics and Physical AI'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'स्वायत्त रोबोटिक्स और भौतिक एआई के जिम्मेदार शासन के लिए वैश्विक मानदंड' पर ऐतिहासिक संधि अपनाई।
संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित विशेष सत्र के दौरान सदस्य राष्ट्रों ने स्वायत्त प्रणालियों, औद्योगिक रोबोटिक्स और मानवीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से संबंधित एक कानूनी रूप से बाध्यकारी बहुपक्षीय ढांचे को मंजूरी दी। इस संधि का मुख्य उद्देश्य वैश्विक साइबर-भौतिक खतरों को कम करना और विकासशील देशों के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को पारदर्शी बनाना है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Commit Joint $5.0 Billion South Asian Transboundary Water Resilience Facility.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई सीमा पार जल लचीलेपन के लिए संयुक्त $5.0 बिलियन की सुविधा की घोषणा की।
गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी घाटियों में चरम मौसमी घटनाओं, अचानक आने वाली बाढ़ (Flash Floods) और तलछट प्रबंधन से निपटने के लिए यह बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है। यह राशि भारत, नेपाल और बांग्लादेश में संयुक्त जल निगरानी और पूर्व-चेतावनी बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाएगी।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Vector-Borne Genomic Pathogen Alert Grid 6.1' for Monsoon Epidemics.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने मानसूनी महामारियों के लिए 'ग्लोबल वेक्टर-जनित जीनोमिक पैथोजन अलर्ट ग्रिड 6.1' की शुरुआत की।
चरम मानसूनी वर्षा और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण तेजी से फैलने वाले डेंगू, चिकनगुनिया और जापानी एन्सेफलाइटिस वायरस के नए म्यूटेशन की रीयल-टाइम पहचान के लिए डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा में डिजिटल निगरानी का विस्तार किया है। यह नेटवर्क प्रभावित देशों की स्वास्थ्य एजेंसियों को पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Logistics and Solar Cold-Chain Hub Policy 2026' for GI-Tagged Commodities.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने जीआई-टैग कृषि उत्पादों के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-लॉजिस्टिक्स एवं सौर शीतगृह हब नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य के पारंपरिक और भौगोलिक संकेतक (GI) प्रमाणित उत्पादों—विशेष रूप से मिथिला मखाना, मुजफ्फरपुर की शाही लीची, कतरनी चावल और भागलपुरी जर्दालु आम के मूल्य संवर्धन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई वित्तीय प्रोत्साहन योजना स्वीकृत की गई है। इसके तहत किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को आधुनिक प्रसंस्करण और कोल्ड-चेन इकाइयां स्थापित करने के लिए विशेष पूंजीगत सब्सिडी दी जाएगी।

English Headline: Bihar Forest and Climate Change Department Launches High-Resolution Drone-Assisted Wetland Mapping in Gandak Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक बेसिन में उच्च-सटीक ड्रोन-सहायता प्राप्त आर्द्रभूमि मैपिंग शुरू की।
उत्तर-पश्चिमी बिहार की समृद्ध आर्द्रभूमियों (Wetlands) और पारिस्थितिकीय जल निकायों के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट और ड्रोन आधारित सर्वेक्षण अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल संचयन क्षेत्रों के अतिक्रमण को रोकना, जलीय जैव विविधता की रक्षा करना और क्षेत्रीय भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Tops Medal Tally at World Archery Cup Stage with Double Gold in Compound Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने कंपाउंड स्पर्धाओं में दोहरे स्वर्ण पदक के साथ विश्व तीरंदाजी कप चरण की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदियों को हराकर स्वर्ण पदक जीते, जिससे भारत समग्र पदक तालिका में पहले स्थान पर बना हुआ है।

English Headline: International Hockey Federation (FIH) Mandates Smart-Turf Sensor Analytics for Ball Velocity and Goal-Line Precision in Global Tournaments.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) ने वैश्विक टूर्नामेंटों में गेंद के वेग और गोल-लाइन सटीकता के लिए स्मार्ट-टर्फ सेंसर एनालिटिक्स को अनिवार्य किया।
मैच के दौरान अंपायरिंग निर्णयों को सटीक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एफआईएच ने तकनीकी नियमों को अद्यतन किया है। इसके तहत गोल-लाइन और पेनल्टी कॉर्नर के दौरान गेंद के सूक्ष्म विचलन और फुट-फॉल्ट का त्वरित विश्लेषण करने के लिए टर्फ की सतह पर उन्नत सेंसर लगाए जाएंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

ईमानदारी की कमाई

एक छोटे कस्बे में अखिलेश नाम का एक छात्र रहता था। उसके पिता मजदूरी करते थे। घर की आर्थिक स्थिति ऐसी थी कि महीने के आखिरी दिनों में जरूरत की चीजें खरीदना भी मुश्किल हो जाता था। फिर भी अखिलेश पढ़ाई में मन लगाता और शाम को एक दुकान पर काम करके अपनी छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करता था।

एक शाम दुकान बंद करते समय उसे काउंटर के नीचे एक लिफाफा मिला। उसमें पचास हजार रुपये और कुछ जरूरी कागजात थे।

अखिलेश के हाथ ठिठक गए। अगले दिन उसकी कॉलेज की फीस जमा करने की आखिरी तारीख थी और घर में फीस भरने के लिए पैसे नहीं थे। इतने रुपये उसकी सारी परेशानी खत्म कर सकते थे।

कुछ देर वह लिफाफे को देखता रहा। फिर उसने उसे दुकान के मालिक को सौंप दिया और कागजात पर मिले पते के आधार पर उसके मालिक को खोजने निकल पड़ा।

लिफाफा एक बुजुर्ग व्यक्ति का था। रुपये मिलते ही उनकी आँखें भर आईं। वे बार-बार अखिलेश को धन्यवाद देने लगे और इनाम के रूप में कुछ पैसे देना चाहा।

अखिलेश ने विनम्रता से मना कर दिया। उसके मन में एक बात स्पष्ट थी—जिस धन पर अपना अधिकार न हो, वह अपनी जरूरत पूरी कर सकता है, लेकिन आत्मसम्मान नहीं।

अगले दिन बुजुर्ग व्यक्ति स्वयं अखिलेश के घर पहुँचे। उन्होंने उसकी फीस भरने की जिम्मेदारी ली और कहा कि वे उसकी मदद नहीं, उसकी ईमानदारी का सम्मान कर रहे हैं।

अखिलेश ने सहायता स्वीकार की, लेकिन अपनी मेहनत जारी रखी। वर्षों बाद वह सफल हुआ और जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई में सहायता करने लगा।

प्रेरक सीख

ईमानदारी से मिली छोटी सफलता, बेईमानी से मिली बड़ी सफलता से कहीं अधिक मूल्यवान होती है।

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर — बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहां से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

> सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> पूनम राय, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : रोहतास, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: रोहतास: धान का कटोरा, सीमेंट-खनन आर्थिकी, इको-टूरिज्म और भावी विकास

रोहतास की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय ताराचंडी धाम की शक्ति-उपासना, शेरशाह के ऐतिहासिक अहाते और सोन कछार के लोक-जीवन में धड़कता है। शारदीय और चैत्र नवरात्र के दौरान माँ ताराचंडी और तुतला भवानी धाम में लगने वाले मेले संपूर्ण शाहाबाद को एक आध्यात्मिक सूत्र में पिरोते हैं। इसके साथ ही, चंदन शहीद पहाड़ी और शेरशाह के मकबरे का सौहार्दपूर्ण वातावरण इस अंचल की ऐतिहासिक गंगा-जमुनी तहज़ीब का जीवंत प्रमाण प्रस्तुत करता है।

आर्थिक और कृषि मोर्चे पर रोहतास की पहचान पूरे राज्य में 'बिहार के धान के कटोरे' (Rice Bowl of Bihar) के रूप में सर्वोपरि है। 19वीं सदी में विकसित सोन नहर प्रणाली (Son Canal System) ने बिक्रमगंज, नोखा, करगहर और दिनारा के मैदानी इलाकों को जल-समृद्ध बनाकर उत्पादकता के शिखर पर पहुँचा दिया है। यहाँ आधुनिक कंबाइन हार्वेस्टर और उन्नत बीजों से धान और गेहूं की रिकॉर्ड पैदावार होती है। नोखा और बिक्रमगंज का विस्तृत राइस मिल क्लस्टर संपूर्ण उत्तर भारत की मंडियों में प्रीमियम चावल की आपूर्ति करता है, जो स्थानीय ग्रामीण आर्थिकी को मजबूत नकद तरलता प्रदान करता है।

खनिज और भारी उद्योगों के क्षेत्र में रोहतास का इतिहास और वर्तमान दोनों अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। कैमूर पठार से मिलने वाले उच्च कोटि के चूना पत्थर (Limestone) और पाइराइट्स (Pyrites) ने यहाँ सीमेंट और रसायन उद्योग की मजबूत नींव रखी। ऐतिहासिक डालमियानगर (डेहरी-ऑन-सोन) कभी भारत के सबसे बड़े एकीकृत औद्योगिक परिसरों (सीमेंट, कागज, चीनी व रसायन) में गिना जाता था। वर्तमान में बंजारी स्थित कल्याणपुर सीमेंट (अब डालमिया भारत समूह) और सोन नदी के किनारे स्थित पत्थर क्रशर इकाइयाँ निर्माण सामग्री आपूर्ति की रीढ़ बनी हुई हैं।

पर्यटन और विकास के धरातल पर रोहतास राज्य का एक उभरता हुआ इको-टूरिज्म हब है। तुतला भवानी का सस्पेंशन ब्रिज, धुआं कुंड, मांझर कुंड और कशिश जलप्रपात मानसून के महीनों में प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करते हैं। इसके साथ ही, शेरशाह के मकबरे और रोहतासगढ़ किले का ऐतिहासिक महत्व इसे हेरिटेज टूरिज्म के मानचित्र पर केंद्रीय स्थान दिलाता है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो रोहतास में 'एग्रो-लॉजिस्टिक्स हब', 'खाद्य प्रसंस्करण पार्क' और 'इको-एडवेंचर सर्किट' की अपार संभावनाएं हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC) और जीटी रोड (NH-19) की निकटता का लाभ उठाकर सासाराम-डेहरी क्षेत्र में आधुनिक वेयरहाउसिंग और कृषि निर्यात केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। रोहतासगढ़ दुर्ग, तुतला भवानी और शेरशाह सूरी के मकबरे को मिलाकर एक एकीकृत 'सांस्कृतिक व साहसिक पर्यटन कॉरिडोर' का विकास स्थानीय युवाओं के लिए सेवा व आतिथ्य क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर सृजित करने में सक्षम है।

रोहतास का यह अंतिम अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने विंध्यन जलप्रपातों की प्राकृतिक भव्यता, शेरशाह की प्रशासनिक व स्थापत्य विरासत और सोन नहरों से सींचे लहलहाते खेतों के बल पर बिहार की आर्थिकी का एक मजबूत इंजन बना हुआ है। रोहतासगढ़ की ऊँचाइयों से लेकर नोखा की राइस मिलों तक, ताराचंडी के मंत्रोच्चार से लेकर सोन के सुनहरे तटों तक— रोहतास आत्मनिर्भरता और विकास का एक समृद्ध मॉडल प्रस्तुत करता है।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org